जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज

संस्कृत विभाग

(2022-2023)

दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर दिनांक - 12-27 अप्रैल, 2023

जानकी देवी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत भारती, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन कराया गया । शिविर का प्रारंभ 12 अप्रैल 2023 को प्रारंभ हुआ जिसमें प्रोग्राम एवं संस्कृत ऑनर्स की लगभग 20 छात्राओं ने भाग लिया । इसमें संस्कृत शिक्षण के लिए संस्कृत भारती को ओर से महोदय नरेंद्र वर्मा ने अध्यापन कार्य संपन्न कराया । महोदय के द्वारा छात्राओं को संस्कृत व्याकरण का प्रारंभिक ज्ञान, उच्चारण, सरल वाक्य निर्माण आदि का ज्ञान इस शिविर में दिया गया । शिविर का समापन 27 अप्रैल 2023 को संस्कृत भारती के संयोजक महोदय सुशील कुमार की उपस्थिति में सफलता पूर्वक किया गया ।

















कार्यक्रम - श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता संसृष्टि (सिंफनी) दिनांक - 12 जनवरी, 2023

समय - प्रात: 10.00 बजे

स्थान - कक्ष संख्या -16

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव सिंफनी के अंतर्गत संस्कृत विभाग द्वारा 12 जनवरी, 2023 को संसृष्टि श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में निर्णायक गण के रूप में लेडी श्रीराम महाविद्यालय के संस्कृत विभाग की आचार्या डॉ पंकजा घई कौशिक महोदया, एवं संगीत के विद्वान् पंडित नरेश महोदय और जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के संगीत विभाग की आचार्या डॉ प्रेरणा अरोड़ा महोदया उपस्थित रहे । अनेक महाविद्यालयों के लगभग 22 छात्र छात्राओं ने इस प्रतिस्पर्धा में भाग लिया । इसमें श्रीमद्भगवद्गीता के 11 वें अध्याय के श्लोक संख्या 20 से 24 तक प्रतिभागियों द्वारा श्लोकोच्चारण किया गया । प्रतियोगिता के विजेता के रूप में प्रथम पुरस्कार दीपचंद (किरोड़ीमल महाविद्यालय) दूसरे पुरस्कार की विजेता पूजा (मिरांडा हाउस) एवं तीसरा पुरस्कार पूजा (हिंदु महाविद्यालय) ने प्राप्त किया । इसके अतिरिक्त दो प्रोत्साहन पुरस्कार मोनिका (लेडी श्रीराम महाविद्यालय) एवं अनामिका (जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय) ने प्राप्त किए । प्रतिस्पर्धा के अंत में संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ. तनुजा रावल महोदया ने सभी का अपने सुंदर वचनों से धन्यवाद ज्ञापन किया ।









कार्यक्रम - संस्कृत प्रश्नमंच प्रतिस्पर्धा संसृष्टि (सिंफनी) दिनांक - 12 जनवरी, 2023 समय - दोपहर 1.00 बजे स्थान - कक्ष संख्या -16

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा 12 जनवरी, 2023 को सिम्फनी वार्षिक समारोह के अवसर पर अंतर्महाविद्यालय प्रश्नमंच प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया । इस अवसर पर संस्कृत विभाग के सभी सदस्य डॉ. तनुजा रावल, डॉ हर्षबाला, डॉ मनीषा कुमारी, डॉ. इंदु सोनी तथा डॉ रविदत शर्मा उपस्थित रहे। प्रतिस्पर्धा में दिल्ली विश्वविद्यालय के 6 महाविद्यालयों से आये छात्रों नें तथा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया । कुल मिलाकर 7 दलों के मध्य प्रतिस्पर्धा रही । प्रतिस्पर्धा में संस्कृत व्याकरण और दर्शन विषय पर आधारित प्रश्न पूछे गए। 5 चरणों में प्रतिस्पर्धा संपन्न हुई। छात्रों नें अत्यंत बुद्धिमता से प्रश्नों का उत्तर दिया । अंको के आधार पर प्रश्नमंच प्रतिस्पर्धा का परिणाम घोषित किया गया । प्रथम स्थान पर किरोड़ीमल महाविद्यालय के आशु और दीपचंद्र रहे । द्वितीय स्थान हिन्दू महाविद्यालय के ऋषभ कुणाल और मोनू तथा तृतीय स्थान जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय की रितिका और मनीषा द्वारा प्राप्त किया गया । संस्कृत विभाग के आचार्य श्रीमती ज्योति तथा डॉ. राजेंद्र कुमार के कुशल संचालन में प्रश्नमंच प्रतिस्पर्धा संपन्न हुई ।



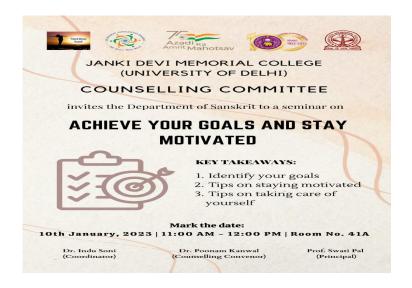






DATE - 10th January, 2023 TOPIC - Achieve Your Goals and Stay Motivated. TIME - 11 a.m. onwards VENUE - Room No- 41A

The counselling session for the students of the Department of Sanskrit was held on the 10th January, 2023 in Room no 41A, Session taken by Counsellor, Ms. Saniya Bedi and coordinated by Dr. Indu Soni. Ms. Bedi was introduced to the students at the onset of the session, where students were encouraged to be open with their questions and issues. Total number of 20 students were present from the Sanskrit department. Ms. Bedi took an interesting and interactive session with the students, who were eager to ask her more questions, even after the end of the session. The key takeaways of the session were: Identify Your Goals, Tips on taking care of yourself, and staying motivated.







कार्यक्रम - ओरिएंटेशन प्रोग्राम दिनांक - 3 नवम्बर, 2022 कक्ष संख्या - 41A

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा 3 नवंबर, 2022 को संस्कृत ऑनर्स के नए अकादिमक सत्र (2022-23) के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त नई छात्राओं का ओरिएंटेशन प्रोग्राम किया गया । इस अवसर पर विभाग के सदस्यों द्वारा छात्राओं का स्वागत करते हुए उनको महाविद्यालय के विषय में, संस्कृत विषय के पाठ्यक्रम, समय-सारणी, महाविद्यालय की विभिन्न पाठ्यसम्बन्धी एवं पाठ्येत्तरसम्बन्धी गतिविधियों, आदि के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई । महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. स्वाति पाल महोदया ने भी छात्राओं का स्वागत करते हुए उन्हें नवीन सत्र के लिए शुभकामनाएं दी। इस ओरिएंटेशन में छात्राओं ने कॉलेज तथा अपने विषय से संबंधित

विभिन्न प्रश्न रखे जिनका समाधान विभाग द्वारा किया गया। अंत में नवीन सत्र के लिए शुभकामनाओं के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

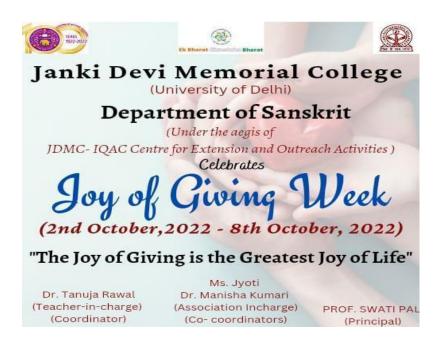




साप्ताहिक कार्यक्रम - जॉय ऑफ़ गिविंग सप्ताह (Joy of Giving week) दिनांक - 2 अक्टूबर, 2022 से 8 अक्टूबर, 2022

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के संस्कृत विभाग की छात्राओं नें विभाग की प्राध्यापिकाओं श्रीमती ज्योति, डॉ तनुजा रावल और डॉ मनीषा कुमारी के निर्देशन में 2 अक्टूबर, 2022 से 8 अक्टूबर, 2022 तक एक्सटेंशन एवं आउटरीच गतिविधि के अंतर्गत "जॉय ऑफ़ गिविंग" (Joy of Giving) सप्ताह मनाया । इस संपूर्ण सप्ताह छात्राओं नें कुछ समय उन लोगों के साथ बिताया जिन्हें वे प्रतिदिन सड़क के किनारे, मेट्रो स्टेशन के आस पास तथा रास्ते में फुटपाथ के पास निवास करते हुए देखा करती थीं। संस्कृत विशेष तृतीय वर्ष की छात्रा रितिका और शैरल ने अपने आस पड़ोस एवं सड़क किनारे रहने वाले बच्चों को इस सप्ताह पढ़ने एवं लिखने के महत्ता से अवगत कराया साथ ही उन्हें पठन सामग्री भी उपलब्ध

करायी तथा उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया। द्वितीय वर्ष की छात्राओं नें मिलकर मेट्रो स्टेशन तथा सड़क किनारे बैठे बच्चों तथा महिलाओं को उपहार देकर तथा उनसे बात करके उनके मन में छिपी हुई छोटी छोटी बातें जानकर उन्हें प्रसन्न करने का प्रयास किया। इस "जॉय ऑफ़ गिविंग" सप्ताह के माध्यम से छात्राओं नें "दानम् हस्तस्य भूषणम्" इस उक्ति को समझा एवं चरितार्थ भी किया।



















कार्यक्रम - व्याख्यान (IQAC Centre for Gender Equity Studies, under the series of 'EMPOWERING WIDOWS" in collaboration with the Department of Sanskrit)

मुख्य विषय - "Widows of Vrindavan"

मुख्य वक्त्री - डॉ दीपाली भनोट, पूर्वाचार्या, संस्कृत विभाग, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

दिनांक - 20 सितंबर, 2022

समय - दोपहर 12.00 बजे

स्थान - सेमिनार कक्ष

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के IQAC Centre for Gender Equity Studies और संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 20 सितंबर, 2022 को "Widows of Vrindavan" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया । मुख्य वक्त्री के रूप में हमारे ही महाविद्यालय के संस्कृत विभाग की पूर्वाचार्या डॉ दीपाली भनोट महोदया उपस्थित रहीं । उन्होंनें अपने जीवन्त अनुभवों के माध्यम से इस विषय को अत्यंत सजीव रूप से उपस्थापित किया । उनके व्याख्यान में मुख्यतः समाज में विधवाओं के प्रति किस प्रकार का दृष्टिकोण रहा है, उन्हें किस प्रकार अपशक्न के नाम पर समाज और परिवार के सभी कार्यों से बहिष्कृत किया जाता रहा है, तथा विधवा होने के नाम पर उन्हें किस प्रकार मानो जीने के अधिकार तक से वंचित कर दिया जाता है। ऐसे अनेकों ज्वलंत प्रश्नों पर प्रकाश डाला। साथ ही वृन्दावन में विधवा महिलाओं के आश्रय के लिए चल रही अनेकों परियोजनाओं पर भी प्रकाश डाला। डॉ भनोट स्वयं भी शुरुआती स्तर पर प्रारम्भ ह्ई एक परियोजना का हिस्सा रहीं, जिसके फलस्वरुप विधवाओं के लिए वृन्दावन में माँ आश्रम का निर्माण किया गया। जहाँ ये महिलाएं अपने जीवन यापन हेतु किसी अन्य पर निर्भर न होते ह्ए अपितु स्वावलम्बी रूप से सम्मानजनक एवं प्रसन्न मन से रहती हैं । महाविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रम से 55 छात्राओं और संस्कृत विभाग के सभी आचार्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। IQAC Centre for Gender Equity Studies की सह निर्देशिका डॉ निमता सेठी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम को संपादित किया गया।









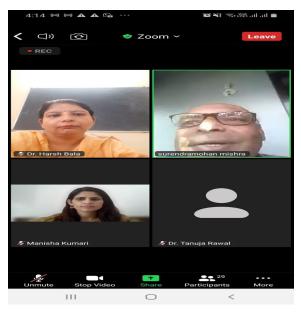
कार्यक्रम - अंतर्जालीय व्याख्यान मुख्य विषय - "Concepts & Importance of Guru tattava in Sanskrit literature" मुख्य वक्ता - डॉ. सुरेंद्र मोहन मिश्र,संस्कृत पाली एवं प्राकृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय दिनांक - 8 सितंबर, 2022

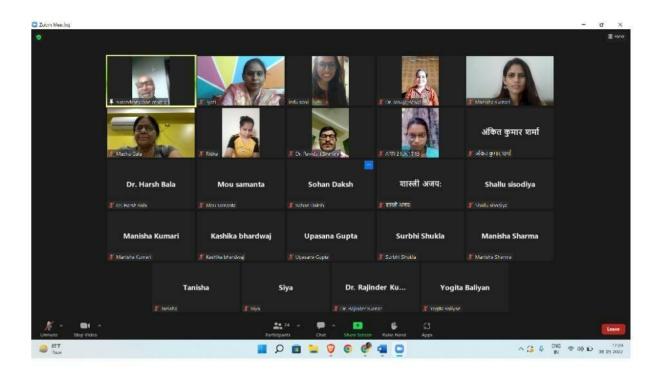
समय - 4.00 बजे

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा 8 सितंबर, 2022 को शिक्षक-दिवस के उपलक्ष्य में "Concepts & Importance of Guru tattava in Sanskrit literature" विषय पर अंतर्जालीय व्याख्यान का आयोजन ऑनलाइन ज़ूम पर किया गया । व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में संस्कृत पाली एवं प्राकृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्वाचार्य डॉ. सुरेंद्र मोहन मिश्र महोदय उपस्थित रहे । कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृत द्वितीय वर्ष की छात्रा तनीषा द्वारा मंगल वचनों से गुम्फित महाविद्यालय की प्रार्थना के गायन से किया गया । इसके पश्चात् संस्कृत तृतीय वर्ष की छात्रा रितिका द्वारा मुख्यातिथि तथा कार्यक्रम में उपस्थित अपने महाविद्यालय के आचार्यगण तथा छात्राओं साथ ही अन्य महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से जुड़े सभी विद्वानों एवं छात्रों का स्वागत किया गया । व्याख्यान में डॉ. सुरेंद्र मोहन मिश्र द्वारा संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (वेद, उपनिषद, दर्शन आदि) के संदर्भ में अनेक उद्धरणों के माध्यम से गुरु के अर्थ एवं मानवजीवन में उनकी महत्ता पर व्यापक प्रकाश डाला । इसके साथ ही व्याख्यान के अंत में विभिन्न शंकाओं का सहजतापूर्ण उत्तर देते हुए उनका निवारण किया । तदुपरान्त संस्कृत विभाग के सह आचार्य डॉ रिवदत शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा अंत में शांतिमंत्र पाठ द्वारा कार्यक्रम संपन्न हुआ!









विषय: संस्कृत पद्य - पाठ (स्वातन्त्र्यसम्भवम्" महाकाव्य से)

दिनांक:- 17 अगस्त,2022 समय - 11.45-12.45 दोपहर कक्ष संख्या - 41A

आज जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत दिवस तथा "आजादी का अमृत महोत्सव" अभियान के उपलक्ष्य में आधुनिक संस्कृत साहित्य से सम्बंधित "स्वातन्त्र्यमम्भवम्" महाकाव्य में वर्णित पद्य-पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं के संस्कृत पद्य-पाठन कौशल का संवर्धन करना था। संस्कृत विभाग के प्राध्यापकागण श्रीमती ज्योति, तन्जा रावल और डॉ. मनीषा क्मारी के संयोजन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा विभाग के अन्य प्राध्यापकों डॉ. हर्षबाला, डॉ. राजेंद्र कुमार और डॉ. इंद्र सोनी की उपस्थिति में छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। हमारे महाविद्यालय के संगीत विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. प्रेरणा अरोड़ा महोदया कार्यक्रम में निर्णायिका के रूप में उपस्थित रहीं । संस्कृत ऑनर्स तथा बी. ए. प्रोग्राम (G.E.) की 12 छात्राओं ने कार्यक्रम में पद्य-पाठ किया। कार्यक्रम का प्रारंभ तृतीय वर्ष की छात्रा मनीषा एवं आकांक्षा द्वारा मंगलाचरण गान से ह्आ। इसके पश्चात् सभी प्रतिभागियों ने क्रम से संस्कृत में पद्य पाठ किया। प्रतियोगिता में तृतीय वर्ष की छात्रा रितिका ने प्रथम, अबसार ने द्वितीय और मनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डॉ. तनुजा रावल ने प्रतियोगिता की प्रेरणास्रोत प्राचार्या महोदया प्रो, स्वाति पाल, निर्णायिका डॉ. प्रेरणा अरोड़ा, उपस्थित आचार्यगण, प्रतिभागियों और सभी छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापन किया। शांतिपाठ के साथ प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन ह्आ ।







